फणीश्वरनाथ 'रेणु' का साहित्य और क्रांतिकारी जीवन

विषय पर केंद्रित एक दिवसीय वेबिनर

भारत सरकार द्वारा 15 अगस्त, 2022 को देश की आज़ादी के 75 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में, 75 सप्ताह पूर्व भारतीय स्वतंत्रता के 75 वर्षों का **'भारत का अमृत महोत्सव'** मनाने का फैसला किया है। इस महोत्सव का उद्देश्य India@2047 के लिए विजन बनाना है। इस महोत्सव में तकनीकी और वैज्ञानिक उपलब्धियों के प्रदर्शन के साथ विभिन्न सामाजिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाने की योजना है। इसके अतिरिक्त इन आयोजनों में देश के अज्ञात स्थानों तथा देश के स्वतंत्रता सेनानियों के योगदान को प्रदर्शित एवं रेखांकित किया जायेगा।

आजादी की 75 वीं वर्षगांठ को समर्पित '**आज़ादी का अमृत महोत्सव'** के तहत हिंदी के **सुप्रसिद्ध कथाकार फणीश्वरनाथ रेणु की जन्म शतवार्षिकी** के उपलक्ष्य में 'इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय कला केंद्र,

रांची' द्वारा **'फणीश्वरनाथ 'रेणु' का साहित्य और क्रांतिकारी जीवन'** विषय पर एक दिवसीय वेबिनार आयोजित किया जा रहा है।

फणीश्वर नाथ 'रेणु' जी हिंदी के प्रसिद्ध आंचलिक कथाकार व विचारक है। उन्होंने अपनी लेखनी से हिंदी गद्य साहित्य की श्री वृद्धि की है। 'रेणु' जी आधुनिक हिंदी साहित्य के सबसे सफल और प्रभावशाली लेखकों में से एक रहे हैं। वे 'मैला आंचल' के लेखक है, जिसे हिंदी के कथा सम्राट प्रेमचंद की रचना 'गोदान' के बाद सबसे महत्त्वपूर्ण हिंदी उपन्यास माना जाता है। उन्होंने अनेक राजनीतिक व सामाजिक आंदोलनों में बढ़-चढ़कर भाग लिया। उन्होंने 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन में सक्रिय भूमिका निभाई तथा 1950 में नेपाल के राजशाही विरोधी आंदोलन में नेपाली जनता को दमन से मुक्ति दिलाने के लिए भी अपना योगदान दिया। उन्होंने पटना विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के साथ छात्र संघर्ष समिति में सक्रिय रूप से भाग लिया और जयप्रकाश नारायण की सम्पूर्ण क्रांति में अहम भूमिका निभाई।

फणीश्वरनाथ 'रेणु' जी ने हिंदी में आंचलिक कथा की नींव रखी। सन 1953 में वे साहित्य सृजन के क्षेत्र में आए और उन्होंने कहानी,

उपन्यास और निबंध आदि विविध साहित्यिक विधाओं में मौलिक रचनाएं प्रस्तुत की। प्रस्तुत आयोजना फणीश्वरनाथ 'रेणु' के साहित्यिक एवं सामाजिक जीवन संदर्भ के अतिरिक्त उनके जीवन से जुड़े अनेक पहलुओं पर चर्चा कर नए आयाम सृजित करने का प्रयास करेगा।

इस आयोजन में आपकी गरिमामय उपस्थिति समय से सादर प्रार्थित है।

वेबिनार हेतु आमंत्रित वक्ता गण :

- श्री आलोक धन्वा, वरिष्ठ साहित्यकार एवं कवि, पटना
- डॉ. भारत यायावर, आचार्य, हिंदी विभाग, विनोबा भावे विश्वविद्यालय, हजारीबाग
- प्रो. कमल कुमार बोस, विभागाध्यक्ष, हिंदी विभाग, सेंट ज़ेवियर कॉलेज, राँची, झारखंड
- श्री राकेश रेणु, संपादक, आजकल पत्रिका, दिल्ली
- डॉ. सदन झा, सह-आचार्य, सी.एस.एस., सूरत
- श्री पुष्यमित्र, स्वतंत्र पत्रकार, पटना

- श्री बृजेश कुमार, कार्यकारी संपादक, हिन्दुस्तान समाचार, दिल्ली
- डॉ. अमरनाथ झा, सह-आचार्य इतिहास विभाग, एस.एस.एन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली
- श्री दक्षिणेश्वर प्रसाद रेणु, साहित्यकार एवं पुत्र, फणीश्वरनाथ 'रेणु', बिहार